RMP – 03

B.A. B.Ed. (Semester – VI/VIII) Examination, April/May 2019
HINDI (Paper – VIII)
Hindi Sahitya – Ritikaal

Duration : 2 Hours | Total Marks : 70

1. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के **लघु** उत्तर लिखिए। **(3×5=15)**
   I) 'शाहजहाँ' के समय में स्थापत्य कला की विशेष उन्नति हुई उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
   II) रीतिकाल में निम्नवर्ग में कौनसी धार्मिक मान्यताएँ थी ?
   III) उत्तर मध्यकाल के लिए 'शृंगार काल' नामकरण क्यों प्रचलित नहीं हुआ ?
   IV) देव विरहिणी नायिका का वर्णन किस प्रकार करते हैं ?
   V) प्रतीप अलंकार को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के **लघु** उत्तर लिखिए। **(3×5=15)**
   I) रीतिकाल में किन कवियों को 'आचार्य कवि' की उपाधि दी जाती थी ? क्यों ?
   II) रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य के अंतर को स्पष्ट कीजिए।
   III) फागुन के महीने में घनानंद की नायिका की दशा बुरी क्यों हो गई थी ?
   IV) मतिराम की नायिका 'मेरी कहयो अब तू करि जो सब दाह मिटै परिहै पियराई' यह किससे कहती है ? क्यों ?
   V) भुजंगप्रयात छंद को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए।

3. अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **5**
   i) एकै संग धाये नंदलाल औ गुलाल दोऊ,
   दृगन गये जो भरि आनँद मढ़े नहीं।
   धोय-धोय हारी 'पद्माकर' तिहारी सोहैं,
   अब तो उपाव कोउ चित्त पै चढ़े नहीं।।
   कैसी करों, कहाँ जाउं, कासों कहौं, कौन सुने,
   केसो हूँ निकासों, जासों दरद बढ़े नहीं।
   एरी मेरी बीर जैसे-तैसे इन आँखिन सों,
   कढ़िगौ अबीर पै अहीर तो कढ़े नहीं।।

   अथवा

ii) ऐरे बीर पौन तेरौ सबै ओर गौन, बीरी, 5
तासों और कौन मनै ढ़रकौंही बानि दै,
जगत के प्रान ओछ बड़े सों समान घन,
आनँद निधान, सुखदान दुखयानि दै।
जान उजयारे गुन–भारे अंत मोहि प्यारे,
अब है अमोही बैठे पीठि पहिचानि दै।
विरह–विथाहि मूरि, आँखिन में राखों पूरि,
धूरि तिन पायन की हा हा! नैकु आनि दै।

आ) i) बिहारी के नीतिपरक दोहो को स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

ii) भूषण के पदों में वीर रस की प्रधानता है–पठित पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

4. अ) रीतिकालीन राजनीतिक परिवेश पर प्रकाश डालिए 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

i) रीतिकाल की दरबारी संस्कृति।

ii) रीतिकाल का सामाजिक परिवेश।

5. अ) रीतिबद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

i) रीतिमुक्त काव्य में शृंगार।

ii) रीतिसिद्ध काव्य।

6. अ) निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **दो** के लक्षण बताकर उदाहरण दीजिए। 5

1) द्रुत विलंबित 2) इंद्रवज्रा
3) चौपाई 4) कवित्त

आ) निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **दो** को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए। 5

1) विरोधाभास 2) अपह्नुति
3) मानवीकरण 4) अतिशयोक्ति